

Shani Chalisa एक प्रसिद्ध हिंदी धार्मिक स्तोत्र है, जो भगवान शनि की महिमा और उनके शुभ और अशुभ प्रभाव की प्रशंसा करता है। भगवान शनि को कर्मफल के देवता के रूप में पूजा जाता है, और व्यक्ति के जीवन में कर्मों के अनुसार प्रभाव डालते हैं। **Shani Chalisa** का पाठ शनि देवता के क्रोध और प्रतिकूल प्रभावों को शांत करने के लिए भक्तों द्वारा किया जाता है।

॥ श्री शनि चालीसा ॥ Shree Shani Chalisa ॥

॥ दोहा ॥

जय गणेश गिरिजा सुवन, मंगल करण कृपाल ।
दीनन के दुख दूर करि, कीजै नाथ निहाल ॥

जय जय श्री शनिदेव प्रभु, सुनहु विनय महाराज ।
करहु कृपा हे रवि तनय, राखहु जन की लाज ॥

॥ चौपाई ॥

जयति जयति शनिदेव दयाला ।
करत सदा भक्तन प्रतिपाला ॥

चारि भुजा, तनु श्याम विराजै ।
माथे रतन मुकुट छबि छाजै ॥

परम विशाल मनोहर भाला ।
टेढ़ी दृष्टि भृकुटि विकराला ॥

कुण्डल श्रवण चमाचम चमके ।
हिय माल मुक्तन मणि दमके ॥ ४ ॥

कर में गदा त्रिशूल कुठारा ।
पल बिच करै अरिहिं संहारा ॥

पिंगल, कृष्णों, छाया नन्दन ।
यम, कोणस्थ, रौद्र, दुखभंजन ॥

सौरी, मन्द, शनी, दश नामा ।
भानु पुत्र पूजहिं सब कामा ॥

जा पर प्रभु प्रसन्न हैं जाहीं ।
रंकहुँ राव करै क्षण माहीं ॥ ८ ॥

पर्वतहू तृण होई निहारत ।
तृणहू को पर्वत करि डारत ॥

राज मिलत बन रामहिं दीन्हयो ।
कैकेइहुँ की मति हरि लीन्हयो ॥

बनहूँ में मृग कपट दिखाई ।
मातु जानकी गई चुराई ॥

लखनहिं शक्ति विकल करिडारा ।
मचिगा दल में हाहाकारा ॥ १२ ॥

रावण की गतिमति बौराई ।
रामचन्द्र सों बैर बढ़ाई ॥

दियो कीट करि कंचन लंका ।
बजि बजरंग बीर की डंका ॥

नृप विक्रम पर तुहि पगु धारा ।
चित्र मयूर निगलि गै हारा ॥

हार नौलखा लाग्यो चोरी ।
हाथ पैर डरवाय तोरी ॥ १६ ॥

भारी दशा निकृष्ट दिखायो ।
तेलिहिं घर कोल्हू चलवायो ॥

विनय राग दीपक महं कीन्हयों ।
तब प्रसन्न प्रभु है सुख दीन्हयों ॥

हरिश्चन्द्र नृप नारि बिकानी ।
आपहुं भरे डोम घर पानी ॥

तैसे नल पर दशा सिरानी ।
भूजीमीन कूद गई पानी ॥ २० ॥

श्री शंकरहिं गहो जब जाई ।
पारवती को सती कराई ॥

तनिक विलोकत ही करि रीसा ।
नभ उड़ि गयो गौरिसुत सीसा ॥

**पाण्डव पर भै दशा तुम्हारी ।
बची द्रौपदी होति उघारी ॥**

कौरव के भी गति मति मारयो ।
युद्ध महाभारत करि डारयो ॥ २४ ॥

**रवि कहँ मुख महँ धरि तत्काला ।
लेकर कूदि परयो पाताला ॥**

शेष देवलखि विनती लाई ।
रवि को मुख ते दियो छुड़ाई ॥

**वाहन प्रभु के सात सजाना ।
जग दिग्गज गर्दभ मृग स्वाना ॥**

जम्बुक सिंह आदि नख धारी ।
सो फल ज्योतिष कहत पुकारी ॥ २८ ॥

**गज वाहन लक्ष्मी गृह आवैं ।
हय ते सुख सम्पति उपजावैं ॥**

गर्दभ हानि करै बहु काजा ।
सिंह सिद्धकर राज समाजा ॥

**जम्बुक बुद्धि नष्ट कर डारै ।
मृग दे कष्ट प्राण संहारै ॥**

जब आवहिं प्रभु स्वान सवारी ।
चोरी आदि होय डर भारी ॥ ३२ ॥

**तैसहि चारि चरण यह नामा ।
स्वर्ण लौह चाँदी अरु तामा ॥**

लौह चरण पर जब प्रभु आवैं ।
धन जन सम्पत्ति नष्ट करावैं ॥

**समता ताम्र रजत शुभकारी ।
स्वर्ण सर्व सर्व सुख मंगल भारी ॥**

जो यह शनि चरित्र नित गावै ।
कबहुं न दशा निकृष्ट सतावै ॥ ३६ ॥

अद्भुत नाथ दिखावैं लीला ।
करैं शत्रु के नशि बलि ढीला ॥

जो पण्डित सुयोग्य बुलवाई ।
विधिवत शनि ग्रह शांति कराई ॥

पीपल जल शनि दिवस चढ़ावत ।
दीप दान दै बहु सुख पावत ॥

कहत राम सुन्दर प्रभु दासा ।
शनि सुमिरत सुख होत प्रकाशा ॥ ४० ॥

॥ दोहा ॥

पाठ शनिश्चर देव को, की हों भक्त तैयार ।
करत पाठ चालीस दिन, हो भवसागर पार ॥

श्री Shani Chalisa की महत्वपूर्ण विशेषताएं

Shani Chalisa एक प्रसिद्ध हिंदी धार्मिक स्तोत्र है, जो भगवान शनि की महिमा और उनके शुभ और अशुभ प्रभाव की प्रशंसा करता है। भगवान शनि को कर्मफल के देवता के रूप में पूजा जाता है, और व्यक्ति के जीवन में कर्मों के अनुसार प्रभाव डालते हैं। **Shani Chalisa** का पाठ शनि देवता के क्रोध और प्रतिकूल प्रभावों को शांत करने के लिए भक्तों द्वारा किया जाता है।

दोषों का निवारण: **Shani Chalisa** के पाठ से भगवान शनि के क्रोध, दुर्भावनाओं और दोषों का निवारण होता है और व्यक्ति के जीवन में शुभता और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

कर्मफल का समर्थन: **Shani Chalisa** के पाठ से व्यक्ति अपने कर्मों के अनुसार फल का समर्थन प्राप्त करते हैं और उन्हें अधिकारित कर्म करने का संबल मिलता है।

आर्थिक उन्नति: **Shani Chalisa** के पाठ से भक्तों को आर्थिक उन्नति की प्राप्ति होती है और उन्हें धन, संपत्ति और समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है।

निराकार का दर्शन: **Shani Chalisa** के पाठ से भक्त भगवान शनि के निराकार स्वरूप का अनुभव करते हैं और उन्हें आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्राप्त होता है।

अधिकारित शक्ति: **Shani Chalisa** के पाठ से व्यक्ति को अधिकारित और सफल कार्यों के लिए शक्ति मिलती है और उन्हें सफलता का सामर्थ्य विकसित होता है।

धार्मिक अर्थ: **Shani Chalisa** धार्मिकता, भक्ति और कर्मफल के संबंध में ज्ञान प्रदान करती है।

इस प्रकार, **Shani Chalisa** भगवान शनि के भक्तों के लिए एक प्रमुख धार्मिक पाठ है, जो उन्हें शनि देवता के क्रोध का निवारण करने और उनके शुभ प्रभाव के साथ जीवन में उन्नति के मार्ग में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

Visit: <https://sunderkand.net/>

